मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 142, मुंबई, मंगलवार, 20 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato swiggy amazon.in Flipkart
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

भारत में पत्रकारों की जासूसी

द वायर की रिपोर्ट में दावा

देश में इजराइली सॉफ्टवेयर के जरिए 40 जर्नलिस्ट के फोन हैक हुए

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री खुद विरोधी पार्टियों के नेताओं, पत्रकारों और खुद के कैबिनेट में बैठे मंत्रियों की जासूसी कराते हैं, जिसका सबूत मिला है। इतना ही नहीं, राहुल गांधी का भी जासूसी कराया गया है।

कांग्रेस ने मांगा गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा, कहा- पीएम मोदी की भूमिका की हो जांच

कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार ने देशद्रोह किया है, राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ किया है, भारतीय जनता पार्टी का नाम बदलकर अब भारतीय जासूस पार्टी कर देना चाहिए

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत में मंत्रियों, विपक्ष के नेताओं, पत्रकारों, लीगल कम्युनिटी, कारोबारियों, सरकारी अफसरों, वैज्ञानिकों, एक्टिविस्ट समेत करीब 300 लोगों की जासूसी की गई है। द वायर की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से करीब लोग 40 पत्रकार हैं। इन पर फोन के जरिए निगरानी रखी जा रही थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पहले गुजरात, अब केंद्र: टेपिंग विवाद मोदी-शाह के लिए नया नहीं, 15 साल पहले भी गुजरात के नेताओं और अधिकारियों के फोन टेप के लगे थे आरोप

कांग्रेस ने किया सवाल- भारत सरकार ने इजरायली जासूसी सॉफ्टवेयर पिगासस कब खरीदा। क्या इसके लिए अमित शाह ने अनुमति दी या खुद पीएम मोदी ने इसकी अनुमति दी। और इसमें कितने हजार करोड़ रुपये खर्च हुए। ये पैसा कहां से आया?

इजराइल की कंपनी सरकारों को देती है पेगासस

पेगासस बनाने वाली कंपनी एनएसओ ग्रुप का कहना है कि वह किसी निजी कंपनी को यह सॉफ्टवेयर नहीं बेचती है, बल्कि इसे केवल सरकारों को ही सप्लाई किया जाता है। ऐसे में सवाल खड़ा हो गया है कि क्या सरकार ने ही भारतीय पत्रकारों की जासूसी कराई?

ठाणे में लैंडस्लाइड के बाद घर पर गिरा मलबा

मुंबई। मुंबई में जारी बारिश की वजह से लगातार दूसरे दिन बड़ा हादसा हो गया। सोमवार को ठाणे के कलवा में लैंडस्लाइड के बाद पहाड़ी का मलबा एक घर पर गिर गया। इससे एक परिवार के 7 लोग मलबे में दब गए। इनमें से 5 की मौत हो गई। मरने वालों में 3 बच्चे भी हैं। इनमें 12 साल का रविकिशन, 10 साल की सिमरन और 3 साल की संध्या शामिल है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

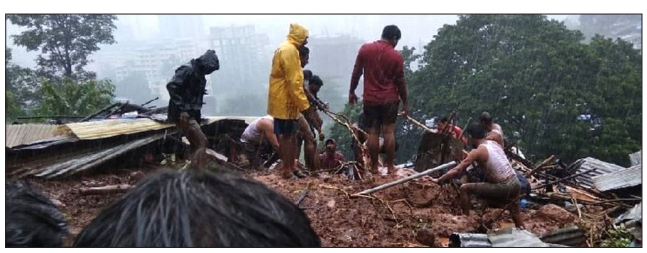

3 बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

मुंबई, पुणे में भारी बारिश का अलर्ट

मुंबई में सोमवार सुबह से जारी तेज बारिश के कारण कुर्ला, सायन, किंग सर्किल, अंधेरी सबवे, हिंदमाता और दादर में सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग ने मुंबई, पुणे और आसपास में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। यहां कुछ समय के लिए लोकल ट्रेनों को रोकना पड़ा था और लंबी दूरी की कई ट्रेनों का रास्ता बदला गया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक और अफवाह

गत 13 जुलाई को एक अफवाह उड़ी कि सूर्य से चला भयानक सौर तूफान आज धरती से टकराने वाला है, जो बड़ी तबाही मचाएगा। बताने वालों ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह भी बता दिया कि एक उच्च गति वाला सौर तूफान 16 लाख किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी के पास आ रहा है, जिसके हमारे ग्रह के चुंबकीय क्षेत्र से टकराने की आशंका है, जिससे बिजली की आपूर्ति और संचार के बुनियादी ढांचे पर गंभीर असर पड़ेगा। इस कथित खबर या अफवाह को सप्ताह भर का समय तो बीत ही गया, लेकिन धरती से किसी चीज के टकराने की सूचना कहीं से भी नहीं मिली, न कोई असर दिखा। डराने वाली सूचनाएं या अफवाह कितनी व्यवस्थित ढंग से फैलाई जाती है, उसकी यह ताजा मिसाल है। इस अफवाह का एक और पहलू देखिए। स्पेसवेदर डॉट कॉम के अनुसार, सूर्य के वातावरण में एक भूमध्यरेखीय छेद से बहने वाली सौर चमक, जिसका पहली बार 3 जुलाई को पता चला था, 500 किमी प्रति सेकंड की अधिकतम गति से यात्रा कर सकती है। हालांकि, पूर्ण भू-चुंबकीय (पृथ्वी से जुड़े चुंबकीय क्षेत्र में) तूफान की आशंका नहीं है। चिनगारी दिखने की आशंका जताई गई थी, लेकिन यह भी साकार नहीं हुई। यहां तक बता दिया गया था कि सैटेलाइट भी सौर तूफान या लपटों से प्रभावित होंगे, जिसका सीधा असर जीपीएस नेविगेशन, मोबाइल फोन सिग्नल और सैटेलाइट टीवी पर पडेगा। इसके साथ ही, पावर ग्रिड भी प्रभावित हो सकते हैं। आखिर यह अफवाह क्यों उड़ी? इतना आतंक क्यों फैलाया गया? वास्तव में, इन दिनों धरती के अनेक इलाकों में अभूतपूर्व गरमी महसूस की जा रही है। प्रशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र और पश्चिमी कनाडा में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर तट पर लाखों शेलफिश जिंदा उबल गई हैं। बढ़ती गरमी ने लोगों को डरा दिया है। क्या कोई सोच सकता है कि इतनी गरमी के लिए सूर्य ही जिम्मेदार है? हां, हमारे ग्रह की मौलिक गरमी का स्रोत सूर्य हो सकता है, लेकिन समग्र गरमी के लिए सूर्य बहुत कम जिम्मेदार है। असली अपराधी एक उच्च दबाव प्रणाली या एंटीसाइक्लोन है, जो अनिवार्य रूप से एक लहरदार जेट स्ट्रीम में निर्मित गरम हवा का पहाड़ है। जो लोग दावा कर रहे हैं कि सूर्य से सौर तूफान उठेगा और धरती तक पहुंच जाएगा, उन्हें तथ्य की जानकारी नहीं है। हमें समझ लेना चाहिए, सूर्य सहयोगी है, शत्रु नहीं। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि धरती के बढ़ते तापमान के लिए हम इंसान ही जिम्मेदार हैं, हम अपनी जिम्मेदारी को समझने और उसके अनुरूप पर्याप्त कदम उठाने में नाकाम हो रहे हैं और इसीलिए इस तरह के डर हमें अक्सर घेरने लगते हैं। सोशल मीडिया में भी ऐसे भय को फैलने से रोकना चाहिए, शुरूआत में ही ऐसी सूचनाओं को परख लेना चाहिए। सोशल मीडिया एनालिटिक्स टूल क्राउडटंगल के अनुसार, 14 जुलाई के इंस्टाग्राम पोस्ट में साझा की गई एक तस्वीर में लिखा था, ह्यपृथ्वी की ओर बढ़ रहा विशाल सौर तूफान जीपीएस, इंटरनेट व उपग्रहों को प्रभावित कर सकता है।ह्ल क्या ऐसे पोस्ट को चलने देना चाहिए था? सोशल मंचों को सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि इससे उनकी विश्वसनीयता और कम होती है। लोगों के बुनियादी भय को सही दिशा में मोड़ने की जरूरत है, ताकि धरती का संरक्षण सशक्त हो।

शिक्षण संस्थाएं खोले, सही समय!

पुरानी कहावत है कि किसी भी काम को शुरू करने का सबसे सही समय आज का होता है। सो, अगर कहा जाए कि कोरोना वायरस की महामारी की वजह से बंद पड़े शिक्षण संस्थानों को खोलने का सही समय क्या होगा तो उसका जवाब है कि आज! केंद्र और राज्य सरकारों को प्राथमिकता के आधार पर स्कूल, कॉलेज, शोध व तकनीकी शिक्षा देने वाले संस्थान और कोचिंग इंस्टीच्यूट आदि को खोलने की पहल करनी चाहिए। शिक्षा से जुड़े तमाम हितधारकों के बीच आम सहमति बना कर शिक्षण संस्थानों को जितनी जल्दी हो उतनी जल्दी खोलने का फैसला किया जाए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एक अक्टूबर से उच्च शिक्षण संस्थानों को खोलने की इजाजत दे दी है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है।

कोरोना वायरस की पहली लहर कमजोर पड़ने के बाद भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेज खोलने की इजाजत दी थी लेकिन वह इजाजत वैकल्पिक थी। यह संस्थानों की मर्जी पर था कि वे कैंपस में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कराते हैं या नहीं। अभी इस तरह के आधे-अधूरे पहल की जरूरत नहीं है। इसकी बजाय कोरोना प्रोटोकॉल के तहत सारे शिक्षण संस्थानों को खोलने की अनिवार्यता बनानी चाहिए। स्कूल-कॉलेज बंद रखने और परीक्षाएं टालते जाने से बच्चों का भला नहीं होने वाला है और न समाज का भला होना है। उलटे लाखों-करोड़ों बच्चों का जीवन बरबाद हो जाएगा। कोरोना ने जितना नुकसान किया उससे ज्यादा नुकसान शिक्षण संस्थानों को बंद रखने से हो रहा है। बारहवीं की परीक्षा टालने के लिए सोशल मीडिया में भले प्रायोजित तरीके से प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिलवाया गया हो लेकिन यह धन्यवाद के लायक काम नहीं है। यह लाखों बच्चों का जीवन अधर में लटकाने वाला फैसला है। 12वीं की परीक्षा को सिर्फ भारत में नहीं पूरी दुनिया में उच्च शिक्षा का प्रवेश द्वार

माना जाता है। यह परीक्षा टालने से जो बच्चे खुश हुए हैं, वे ऐसे बच्चे हैं, जिनका पढ़ाई-लिखाई से कोई खास सरोकार नहीं है। पढ़ने-लिखने और करियर को गंभीरता से लेने वाले ज्यादातर छात्र इससे दुखी हुए हैं। ऊपर से अंक देने का जो तरीका बना है वह बेहद अवैज्ञानिक है। एक तरफ सरकार जेईई जैसी दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा दो बार करा रही ताकि पहली बार में अच्छा नहीं करने वाला बच्चा दूसरी बार में बेहतर करे और दूसरी ओर 12वीं की परीक्षा में 10वीं, 11वीं के अंक के आधार पर मार्किंग की जा रही है! उन बच्चों के बारे में सोचें, जिन्होंने बोर्ड की परीक्षा से पहले अपने के बेहतर करने के लिए जी-तोड़ मेहनत की होगी! यह पूरी प्रक्रिया असल में मूढ़ता को प्रोत्साहित करने वाली है। सबको औसत विद्यार्थी बना देने वाली! बहरहाल, लगातार डेढ़ साल से स्कूल-कॉलेज बंद रहने का शिक्षा से इतर भी बड़ा असर पड़ रहा है। देश के ज्यादातर स्कूलों में मिड डे मील की सुविधा है। बच्चे सिर्फ पढ़ने नहीं, बल्कि पोषण के लिए भी स्कूल जाते हैं। स्कूल बंद रहने से ऐसे बच्चों को खाना नहीं मिल रहा है, जिससे बच्चों का एक बड़ा वर्ग कुपोषण का शिकार हो सकता है। अगर स्कूल-कॉलेज बंद रहने के सामाजिक असर का विश्लेषण करें तो कई समस्याएं साफ दिख रही हैं। गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में बाल श्रम में बढ़ोतरी हो रही है। स्कूल बंद होने, खाने-पीने की सुविधा की कमी और आर्थिक परेशानियों के कारण निम्न आय वर्ग वाले परिवारों ने कम उम्र के बच्चों तो काम-धंधे में लगा दिया है। ऐसे बच्चों के फिर से स्कूल लौटने की संभावना खत्म हो गई है। इसी तरह स्कूल-कॉलेज बंद होने से बाल विवाह में बढ़ोतरी की आशंका है तो कम उम्र के लड़के-लड़कियों के शहरों की ओर पलायन और ट्रैफिकिंग दोनों की आशंका बढ़ गई है। इसका मतलब है कि जब तक स्कूल खुलेंगे तब तक लाखों बच्चे स्कूल-कॉलेज यानी पढ़ाई से दूर जा चुके होंगे। यह तय है कि जब भी स्कूल-कॉलेज खुलेंगे तब ड्रॉपआउट रेट यानी स्कूल छोड़ने की दर बढ़ी हुई मिलेगी। ऐसा नहीं है कि सरकारों को इसका अंदाजा नहीं है लेकिन ऐसा लग रहा है कि वे कोरोना के बहाने अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ा रहे हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार से लेकर गुजरात तक हजारों की संख्या में स्कूल बंद होने की खबरें हैं। हजारों निजी स्कूल हमेशा के लिए बंद हो गए क्योंकि प्रबंधन स्कूल की व्यवस्था को चलाए रखने में सक्षम नहीं था। स्कूल की इमारतों के किराए से लेकर बिजली-पानी के बिल और शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के वेतन का खर्च उनके लिए भारी पड़ने लगा तो उन्होंने स्कूलों को बंद करना बेहतर समझा। कई राज्यों में सरकारी स्कूलों के भी बंद होने की खबरें हैं। कम साधन में चलने वाले स्कूल बंद हो रहे हैं तो भारी-भरकम फीस वसूलने वाले संस्थान कोरोना काल में भी सरकारी व अदालती आदेश के जरिए ऊंची फीस वसूल कर ऑनलाइन शिक्षा का तमाशा चलाए हुए हैं। सरकारों की ओर से छोटे और कम साधन वाले संस्थानों को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। उनके लिए किसी राहत पैकेज की घोषणा नहीं की गई। हैरानी की बात है कि कोरोना के केसेज कम होने के साथ ही अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो जाती है लेकिन महामारी की दोनों लहर में स्कूल-कॉलेजों को अनलॉक से दूर रखा गया।

सरकारी जासूसी पर हंगामा

हमारी संसद के दोनों सदन पहले दिन ही स्थगित हो गए। जो नए मंत्री बने थे, प्रधानमंत्री उनका परिचय भी नहीं करवा सके। विपक्षी सदस्यों ने सरकारी जासूसी का मामला जोरों से उठा दिया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह देश के लगभग 300 नेताओं, पत्रकारों और जजों आदि पर जासूसी कर रही है। इन लोगों में दो केंद्रीय मंत्री, तीन विरोधी नेता, 40 पत्रकार और कई अन्य व्यवसायों में लगे लोग भी शामिल है। यह जासूसी इस्त्राइल की एक प्रसिद्ध कंपनी के सॉफ्टवेयर 'पेगासस' के माध्यम से होती है। इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके सरकार देश के महत्वपूर्ण लोगों के ई-मेल, व्हाट्साप और संवाद सुनती है। यह रहस्योदघाटन सिर्फ भारत के बारे में ही नहीं हुआ है। इस तरह के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल 40 देशों की संस्थाएं कर रही हैं। यह जासूसी लगभग 50,000 लोगों पर की जा रही है। इस सॉफ्टवेयर को बनानेवाली कंपनी एनएसओ ने दावा किया है कि वह अपना यह माल सिर्फ संप्रभु सरकारों को ही बेचती है ताकि वे आतंकवादी, हिंसक, अपराधी और अराजक तत्वों पर निगरानी रख सकें। इस कंपनी के रहस्यों का भांडाफोड कर

दिया फ्रांस की कंपनी 'फारबिडन स्टोरीज' और 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने। इन दोनों संगठनों ने इसकी भांडाफोड़ खबरें कई देशों के प्रमुख अखबारों में छपा दी हैं। भारत में जैसे ही यह खबर फूटी तहलका-सा मच गया। अभी तक उन 300 लोगों के नाम प्रकट नहीं हुए है लेकिन कुछ पत्रकारों के नामों की चर्चा है। विरोधी नेताओं ने सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इस घटना से यह सिद्ध हो गया है कि मोदी-राज में भारत 'पुलिस स्टेट' बन गया है। सरकार अपने मंत्रियों तक पर जासूसी करती है और पत्रकारों पर जासूसी करके वह लोकतंत्र के चौथे खंबे को खोखला कर रही है। सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया है। उसने कहा है कि पिछले साल भी 'पेगासस' को लेकर ऐसे आरोप लगे थे, जो निराधार सिद्ध हुए थे। नए सूचना मंत्री ने संसद को बताया कि किसी भी व्यक्ति की गुप्त निगरानी करने के बारे में कानून-कायदे बने हुए हैं। सरकार उनका सदा पालन करती है। 'पेगासस' संबंधी आरोप निराधार हैं। यहां असली सवाल यह है कि इस सरकारी जासूसी को सिद्ध करने के लिए क्या विपक्ष ठोस प्रमाण जुटा पाएगा? यदि ठोस प्रमाण मिल गए और सरकार-विरोधी लोगों के नाम उनमें पाए गए तो सरकार को लेने के देने पड़ सकते हैं। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की हत्या की संज्ञा दी जाएगी। यों तो पुराने राजा-महाराजा और दुनिया की सभी सरकारें अपना जासूसी-तंत्र मजबूती से चलाती हैं लेकिन यदि उसकी पोल खुल जाए तो वह जासूसी-तंत्र ही क्या हुआ? जहां तक पत्रकारों और नेताओं का सवाल है, उनका जीवन तो खुली किताब की तरह होना चाहिए। उन्हें जासूसी से क्यों डरना चाहिए? वे जो कहें और जो करें, वह खम ठोककर करना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने दी सलाह

'उद्धव ठाकरे को प्रधानमंत्री बनना चाहिए'

मुंबई। एक तरफ दिल्ली में शरद पवार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद राज्य की महा विकास आघाडी सरकार के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं, तो वहीं रविवार को महाराष्ट्र कांग्रेस के दो बड़े नेताओं के बयान महा विकास आघाडी सरकार की मजबूती का संकेत दे रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को प्रधानमंत्री बनाने तक की सलाह दे दी है। बता दें कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एक सर्वे में देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री चुने गए हैं। इसी संदर्भ में जब चव्हाण से पत्रकारों ने सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए उनकी लोकप्रियता भी बढ़ी है। उद्धव ठाकरे को प्रधानमंत्री बनाना चाहिए। चव्हाण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से अब तक 32-35 लाख करोड़ रुपये के कर्ज सरकार ले चुकी है। यह जो भारी भरकम कर्ज मोदी सरकार ने लिए हैं, उन्हें चुकाने के लिए सरकार जनता पर टैक्स लादे जा रही है। बैंक, सार्वजनिक उपक्रम और देश की अमूल्य संपत्तियों को बेचा जा रहा है। एलआईसी का निजीकरण किया जा रहा है। कांग्रेस ने इतने साल में देश के लिए जो कुछ कमाया था, वह मोदी सरकार गंवाने पर तुली है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की मूल्य वृद्धि से महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। सरकार को सबसे पहले इस पर ध्यान देना चाहिए और पेट्रोल डीजल की कीमतें घटानी चाहिए। विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों के नाम पर विपक्षी नेताओं को डरा रही है। अगर कोई दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ जरूर कार्रवाई होनी चाहिए। चव्हाण ने कहा कि नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस कितना झूठ बोलते हैं, यह बयान नहीं हो सकता। उन्होंने आंकड़े पेश कर उनके झूठ को बेनकाब किया है।

पवार-मोदी की मुलाकात में आश्चर्य कैसाः थोरात –

इधर, कांग्रेस विधायक दल के नेता और राज्य के राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात ने कहा कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात में उन्हें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं लगता। इस तरह की राजनीतिक मुलाकातें पहले भी होती रही हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होते हैं। वैचारिक मत भिन्नता होती है। लेकिन जनहित के कामों के लिए एक दूसरे से मिलना ही पड़ता है। लेकिन जब से बीजेपी सत्ता में आई है, इस तरह की मुलाकातों का राजनीतिकरण करना शुरू कर दिया है।

बारिश ने ढाया कहर, मुंब्रा शहर डूबा पानी में

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 17 जुलाई शनिवार से बारिश ने अपना कहर ढाना शुरू किया, रात भर होती रही बारिश ने शहर भर को पानी में डुबो दिया। इस पर भी बारिश का कहर थमा नहीं, 18 जुलाई को भी बारिश का कहर देखने को मिला शिलफाटा सड़क पर 3:5 फुट तक पानी नजर आया। सड़कों पर आया पानी का कारण शिवसेना के सुधीर भगत ने कहना है नाइस सिटी के बिल्डर ने नाले का रुख मोड़ दिया यह बिल्डर ने नाइस सिटी तो बना दिया पर ड्रेनेज लाइन का सही इंतजाम नहीं किया, इसी वजह से सड़कों पर पानी ही पानी नजर आया और लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़कों पर जल जमाव होने से यातायात पूरी तरह से चरमरा गई। घंटो लोग ट्रैफिक की समस्या से परेशान होते रहे और सड़कों पर

खड़ी गाड़ियां कारें पानी में डूब गई। इसी पानी के कारण दुकानों में रखे काफी बकरे बी पानी में डूब कर मर गए बारिश ने इस कदर कहर बरपाया शिलफाटा से लेकर पूरे मुंब्रा की कई इलाकों में जलजमाव होने से पानी ही पानी नजर आया। तेज रफ्तार से बहते पानी ने दुकानों में और मकानों में भी पानी भर गया। इससे रहिवासियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मनपा प्रशासन अपने कर्मचारियों को लेकर नालों की गटरों की सफाई अभियान तो कर रहे हैं लेकिन अभी भी पानी बरस ही रहा है और मानसून विभाग का कहना है आने वाले 5 दिनों तक बारिश हो सकती है। अगर इसी तरह से बारिश होती रही तो मुंब्रा शहर का क्या हाल होगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। अब देखना यह है कि मनपा प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम मानसून विभाग की चेतावनी को लेकर कितने सतर्क रहते हैं और क्या तैयारी करते हैं यह देखने वाली बात होगी फिलहाल मानपा प्रशासन की भरपूर लापरवाही से शहर में जल जमाव होने से लोगों का काफी नुकसान हुआ है इसकी भरपाई कौन करेगा।

मुंबई में पुलिस कॉलोनी में कांस्टेबल ने की आत्महत्या

मुंबई। यहां कलीना उपनगर में स्थित पुलिस क्वार्टर में 30 वर्षीय एक कांस्टेबल ने कथित रूप से अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक कांस्टेबल निखिल शंकर मोरे मुंबई पुलिस की मरोल 'लोकल आर्म्स' शाखा में तैनात था। उसकी पत्नी भी पुलिस कर्मी है और उसी विभाग में तैनात है। अधिकारी ने कहा कि दंपति का एक पांच महीने का बच्चा भी है। उन्होंने कहा कि घटना सोमवार दोपहर को प्रकाश में आई जब मोरे के पड़ोसियों को उसके फ्लैट से गंध आने लगी और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। स्थानीय पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची तो उसने मोरे को पंखे से लटका हुआ पाया। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

भारत में पत्रकारों की जासूसी

इसके लिए इजरायल के पेगासस स्पायवेयर का इस्तेमाल किया गया था। पेगासस स्पायवेयर एक ऐसा कंप्यूटर प्रोग्राम है, जिसके जरिए किसी के फोन को हैक करके, उसके कैमरा, माइक, कंटेंट समेत सभी तरह की जानकारी हासिल की जा सकती है। इस सॉफ्टवेयर से फोन पर की गई बातचीत का ब्यौरा भी जाना जा सकता है। द वायर की रिपोर्ट पब्लिश होने के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने इस पर जवाब देते हुए कहा है कि सरकार ने देश में किसी का भी फोन गैरकानूनी रूप से हैक नहीं किया है। आईटी मिनिस्ट्री की तरफ से जारी चिट्ठी में कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसलों पर तयशुदा कानूनी प्रक्रिया का पालने करते हुए ही किसी का फोन टेप करने की इजाजत दी जा सकती है। द वायर समेत दुनियाभर के 16 मीडिया संस्थानों की रिपोर्ट कहती है कि पेगासस स्पायवेयर के जरिए इंडियन एक्सप्रेस, हिंदुस्तान टाइम्स, न्यूज 18, इंडिया टुडे, द हिंदू, द वायर और द पायनियर जैसे राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों को टारगेट किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 से 2019 के बीच एक भारतीय एजेंसी ने 40 से ज्यादा भारतीय पत्रकारों की निगरानी की थी। देश की बड़ी राजनीतिक हस्तियों से लेकर जजों और पत्रकारों की जासूसी कराने के सरकार पर लगे आरोपों के बीच कांग्रेस ने सोमवार को केन्द्र पर बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस ने देश के गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भूमिका की जांच कराने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस की तरफ से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री खुद विरोधी पार्टियों के नेताओं, पत्रकारों और खुद के कैबिनेट में बैठे मंत्रियों की जासूसी कराते हैं, जिसका सबूत मिला है। इतना ही नहीं, राहुल गांधी का भी जासूसी कराया गया है। खड़गे ने कहा कि इसकी जांच होने से पहले खुद अमित शाह को गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और पीएम मोदी की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप लोकतंत्र के जरिए चलना चाहते हैं, संविधान के तहत इस देश को चलाना चाहते हैं कि इस जगह पर रहने के काबिल नहीं है। इधर, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त, कैबिनेट के मंत्री, राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं और पत्रकारों व अन्य हस्तियों की जासूसी कराना अगर देशद्रोह नहीं तो फिर किया है? सुरजेवाला ने कहा कि भारत सरकार ने यह इजरायली पेगासस सॉफ्टवेयर कब खरीदी और किसने इजाजत दी थी और उसके लिए पैसा कहां से आया? उन्होंने ने कहा देश में आंतरिक सुरक्षा के जिम्मेदार खुद गृहमंत्री अमित शाह है। ऐसे में उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ये सारा कुछ उनकी ही देखरेख में हो रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आगे कहा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका की जांच नहीं होनी चाहिए?

ठाणे में लैंडस्लाइड के बाद घर पर गिरा मलबा

45 साल के प्रभु यादव और 40 साल की विद्यावती की भी मौत हो गई। 5 साल की प्रीति और 18 साल के अचल को मलबे से सुरक्षित निकाल लिया गया। इससे पहले रविवार को 4 हादसों में 30 लोगों की मौत हुई थी। नवी मुंबई में साल भर सूखी रहने वाली बरसाती नदियों में बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। यहां के अडवली भुतवाली गांव के कई किसान रविवार सुबह खेत पर गए थे। शाम को लौटते समय नदी में पानी बढ़ने से करीब 120 लोग फंस गए। इनमें से 70 लोगों को दमकल की टीम ने सोमवार सुबह तक सुरक्षित निकल लिया। बाकी को भी निकालने की कोशिश की जा रही थी। दमकल विभाग के मुताबिक, सभी सुरक्षित हैं और उन तक खाना और पीने का पानी पहुंचा दिया गया है।

1000 साल में पहली बार जर्मनी में बाढ़ से तबाही

संवाददाता / बर्लिन

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया में नजर आने लगा है। यूरोप के कई देश इन दिन भीषण बाढ़ का सामना कर रहे हैं। सबसे ज्यादा असर जर्मनी, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड और नीदरलैंड्स में दिखाई दे रहा है। लगातार हो रही बारिश के बाद आई बाढ़ से रविवार सुबह तक यहां 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 1500 से ज्यादा लोग लापता हैं। हजारों घर कूड़े के ढेर में तब्दील हो गए हैं। लोगों के पास रहने के लिए घर नहीं हैं। सब किसी तरह अपनी जान बचाने में लगे हुए हैं। कई नदियां अपनी धारा बदलकर दूसरी दिशा में बहने लगी हैं। जर्मनी के मौसम विभाग के प्रवक्ता उवे किर्शके ने बताया कि 1000 साल में ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। जर्मनी के कई राज्य बाढ़ के पानी में पूरी तरह से डूबे हुए हैं और शहरों में पानी की रफ्तार इतनी है, जितनी गंगा नदी में हरिद्वार में उफान रहता है। पश्चिमी जर्मनी के एक शहर में बीच रास्ते पर एक विशालकाय सिंकहोल बन गया है।

पानी में बहे सैकड़ों घर, राहत कार्य में लगेंगे 2600 करोड़

रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी में कोलोन क्षेत्र में सैकड़ों घर पानी में बह गए हैं जिसकी वजह से कई लोगों की मौत होने की आशंका है। अब तक अधिकृत मौत का आंकड़ा सामने नहीं आया है। जर्मनी के अधिकारियों ने कहा है कि राहत और बचाव कार्य चलाने में करीब 2600 करोड़ से ज्यादा पैसे इमरजेंसी आधार पर खर्च करने पड़ेंगे।

लैंडस्लाइड से एक बड़ा सिंकहोल बन गया, बचावकर्मी गड्ढे में लोगों की खोज कर रहे।

भारत ने जमीन तलाशी, चीन से मसला अभी भी नहीं सुलझा

बनेंगे पैंगोंग समेत लद्दाख में 4 नए एयरपोर्ट और 37 हेलीपैड

संवाददाता / लेह

भारत लद्दाख में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की कोशिशों में जुटा हुआ है। यह इसलिए खास है कि पिछले करीब 15 महीने से लद्दाख के कई इलाकों में भारत का चीन के साथ मसला अभी भी नहीं सुलझा है। जबकि दूसरी तरफ चीन तिब्बत के इलाके में अपने एयरबेस को लगातार बढ़ाने में लगा हुआ है।

उनका अत्याधुनिकीकरण कर रहा है और छोटे-मोटे एयरस्ट्रिप्स को भी मिलिट्री के जंगी हवाई जहाजों और मिलिट्री साजो-सामान ढोने लायक विमानों को उतारने वाले रनवे में तब्दील कर रहा है। अब भारत भी पूरे लद्दाख क्षेत्र में 4 नए एयरपोर्ट और 37 हेलीपैड बनाने की योजना पर काम कर रहा है, जो कि इस केंद्र शासित प्रदेश में टूरिज्म को तो बढ़ावा देगा ही, साथ ही प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी वहां तक राहत

सामग्री पहुंचाने में बड़ा काम आ सकता है। रिपोर्ट चीन को टेंशन में डाल सकती है। इसके मुताबिक भारत ने लद्दाख में चार नए एयरपोर्ट बनाने के लिए जमीन तलाश ली है, जिन पर भारी-भरकम हवाई जहाज भी उतारे जा सकते हैं।

भारत की लेह में भी एयरपोर्ट बनाने की तैयारी

लद्दाख में जो चार नए एयरपोर्ट बनाने की योजना है उनमें से एक लेह में भी है, जो कि मौजूदा एयरपोर्ट के अलावा एक वैकल्पिक एयरफील्ड के रूप में होगी। साथ ही जंस्कार वैली में भी एक एयरफील्ड बनाने की योजना है। सबसे अहम बात यह है कि भारत की इस एयर कनेक्टिविटी योजना में लद्दाख का मशहूर चांगथंग का इलाका भी शामिल है, जिसके नजदीक ही पैंगोंग झील है। बता दें, पैंगोंग झील के किनारे की चोटियों पर पिछले साल भारतीय सैनिकों ने ऐसा दम दिखाया था कि चीन की सेना को आखिरकार बातचीत के टेबल पर आना पड़ा और फिर दोनों सेनाएं उस इलाके से पीछे हटने के लिए तैयार हुईं। नई योजना के तहत कारगिल में भी एक वैकल्पिक एयरपोर्ट बनाने की तैयारी है, जिसके लिए जमीन तलाश ली गई है। वहां मौजूद वक्त में जो एयरपोर्ट है, वह मिलिट्री एयरफिल्ड है और उसपर यात्री विमानों को उतरने की मंजूरी नहीं है।

जयशंकर ने कहा, मोदी सरकार की कोशिशों से एफएटीएफ की ग्रे सूची में शामिल हुआ पाक

संवाददाता / नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में शामिल किए जाने का श्रेय नरेंद्र मोदी सरकार को है। जयशंकर ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर भाजपा नेताओं के ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के पड़ोसियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध रखने की कोशिश करते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि आतंकवाद को वैश्विक मुद्दे के रूप में देखा जाए, न कि केवल कुछ देश के लोगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्या के रूप में। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंचों पर सरकार के प्रयासों के कारण ही आज जैश और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। पड़ोसी देशों के बारे में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पड़ोसी देशों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाने के प्रयास किया है।

एफएटीएफ आतंकवाद की फंडिंग पर नियंत्रण रखता

जयशंकर ने नेताओं से कहा जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आतंकवाद के लिए एफएटीएफ फंडिंग पर नियंत्रण रखता है और आतंकवाद का समर्थन करने वाले काले धन से निपटता है। हमारे प्रयासों के कारण ही पाकिस्तान अब एफएटीएफ की नजर में है और इसे ग्रे लिस्ट में रखा गया है। हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने में सफल रहे हैं और तथ्य यह है कि पाकिस्तान का व्यवहार बदल गया है। साथ ही लश्कर और जैश के आतंकवादी भी भारत के प्रयास के कारण प्रतिबंधों के तहत आ गए हैं।

राष्ट्रपति कोविद का 25 से 3 दिन जम्मू-कश्मीर दौरा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद 25-27 जुलाई तक तीन दिन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का दौरा करेंगे।

राष्ट्रपति 26 जुलाई को द्रास युद्ध स्मारक कारगिल में होने वाले कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। राष्ट्रपति के घाटी में कुछ समारोहों को भी संबोधित करने की संभावना है, जिसमें एक शैक्षणिक संस्थान का दीक्षांत समारोह भी शामिल है। दौरे का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया है लेकिन, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुरक्षा विंग ने आदेश जारी किया है।

'बकरीद पर घर में ही पढ़ें नमाज'

राज्य सरकार की ओर से जारी की गई गाइडलाइन

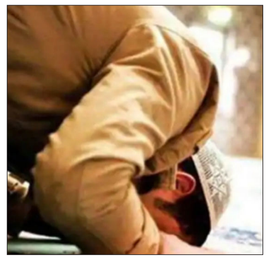

संवाददाता

मुंबई। मुस्लिम समाज के प्रमुख त्योहारों में से एक ईद-उल-अजहा (बकरीद) 21 जुलाई को है। इस त्योहार को लेकर मुंबई सहित सटे उपनगरों के मुस्लिम समाज के लोगों में बहुत उत्साह है। मुस्लिम समाज के धर्म गुरुओं ने अपील की है कि कोरोना वायरस को देखते हुए राज्य सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन का पालन करें और घरों में ही नमाज पढ़ें। सोशल मीडिया अथवा फोन के माध्यम से एकदूसरे को बधाई दें। मौलाना जहीर अब्बास रिजवी ने कहा कि सरकार ने भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए कत्लखानों को खोलने की अनुमति नहीं दी है। इसीलिए समाज के लोग अपनी सुविधा के अनुसार सरकार की गाइडलाइन का पालन करते हुए बकरीद मनाएं। सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए मस्जिद और ईदगाह जैसे सार्वजनिक स्थलों को खोलने की अनुमति नहीं दी है। इसलिए मुस्लिम समाज के लोग घरों में रहकर नमाज पढ़ें। मौलाना बुरहानुद्दीन कासमी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन का मुस्लिम समाज शिद्दत से पालन कर रहा है। पिछली बार की तरह इस बार भी समाज के लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। घरों में नमाज पढ़ें। कोरोना को हराने के लिए सरकार और प्रशासन की मदद करें।

भिवंडी में कुर्बानी के लिए बनेंगे 38 अस्थाई सेंटर

बकरीद को लेकर भिवंडी में मनपा की ओर से कुर्बानी को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। भिवंडी निजामपुर शहर मनपा की ओर से जानवरों की कुर्बानी को लेकर 38 अस्थाई केंद्रों को मंजूरी दी गई है। इन स्थानों पर जानवरों की जांच के लिए पशुचिकित्साधिकारी उपलब्ध कराने और साफ-सफाई के लिए पानी आदि की व्यवस्था मनपा की ओर से की जाएगी। मनपा आयुक्त सुधाकर देशमुख ने एक परिपत्र जारी करते हुए कहा है कि भिवंडी में कोरोना का संक्रमण काफी कम हो गया है। इसके चलते विभिन्न प्रतिबंधों को काफी शिथिल किया गया है। मनपा इलाके में ईद-उल-अजहा में तीन दिन चलने वाले त्योहार में कुर्बानी के लिए लाए जाने वाले पशुओं की संख्या बढ़ने से इनकार नहीं किया जा सकता है। सभी केंद्रों पर कोरोना वायरस को लेकर राज्य सरकार की ओर से जारी दिशानिर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।

बकरीद पर दें सांकेतिक कुर्बानी: एनएमएमसी

कोरोना महामारी को देखते हुए नवी मुंबई मनपा ने बकरीद को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कोरोना से पैदा हुए हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने भी इस साल बकरीद को साधारण तरीके से मनाने की बात कही है। बकरीद मनाने के लिए नवी मुंबई मनपा ने गाइडलाइन जारी की हैं। मनपा की गाइडलाइन के अनुसार, बकरीद साधारण तरीके से मनाई जाए और सांकेतिक कुर्बानी दी जाए। मनपा आयुक्त अभिजीत बांगड ने बकरीद पर भीड़ नहीं करने की अपील की है। बकरीद पर मस्जिद, ईदगाह और सार्वजनिक स्थानों पर सामूहिक रूप से नमाज अदा नहीं किया जा सकेगी। पशुओं की खरीद अथवा बिक्री ऑनलाइन या टेलीफोन के जरिए करने और प्रतीकात्मक कुर्बानी देने की बात कही गई है।

मुंबई में भूमिगत पार्किंग स्थल में पानी भरा, 400 गाड़ियां डूबीं

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश की वजह से एक भूमिगत पार्किंग स्थल में पानी भर गया जिसमें महंगी कारें, बाइकें और ऑटो रिक्शा समेत करीब 400 गाड़ियां डूब गईं। उपनगरीय कांदिवली में ठाकुर कॉम्प्लेक्स में मुंबई नगर निकाय ने इस पार्किंग स्थल का निर्माण कराया था। एक कार्यकर्ता ने सोमवार को यह दावा किया। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने प्रभावित वाहनों की सटीक संख्या नहीं बताई लेकिन उसने कहा कि वह परिसर का प्रबंधन करने वाले एक निजी ठेकेदार के साथ हुए समझौते का अध्ययन करने के बाद वाहन मालिकों को मुआवजा देने की संभावना पर गौर करेगा। पश्चिमी उपनगरों में शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण एक निजी ठेकेदार द्वारा संचालित नगर निकाय की पार्किंग में बारिश का पानी घुस गया। इस कारण स्थल में खड़े दो, तिपहिया व चौपहिया वाहन पानी में डूब गए। स्थानीय नागरिक एवं कार्यकर्ता ने कहा कि रविवार की सुबह भूमिगत पार्किंग में 15 फुट तक पानी था और करीब 400 वाहन प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि महंगी ऑडी जैसी कारों समेत कई ऑटो रिक्शा, दो पहिया वाहन व अन्य कारें डूब गई हैं। उन्होंने कहा, रविवार सुबह से पानी निकाला जा रहा है, लेकिन पार्किंग के अंदर अब भी करीब तीन फुट पानी है।

2024 में ममता के दिल्ली कूच का ऐलान: दो दिन बाद दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों में ममता की वर्चुअल रैली, तृणमूल का चुनावी नारा होगा- जिसे देश चाहता है

नई दिल्ली। बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की पूरी जोर आजमाइश के बावजूद बड़े बहुमत से जीतने वाली ममता बनर्जी की नजर अब केंद्र की कुर्सी पर है। ममता बनर्जी ने सोमवार को 2024 लोकसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस का नारा जारी किया है- देश जोदेर चाइछे यानी जिसे देश चाहता है। पूरा कोलकाता ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की फोटो लगे पोस्टरों से पट गया है। जिनसे साफ जाहिर है कि ममता बनर्जी ने 2024 के चुनाव के लिए क्या लक्ष्य रखा है। चुनावी कैंपेन की नई टैग लाइन तब जारी की गई है, जब 21 जुलाई को ममता पार्टी के शहीद दिवस का बड़ा प्रोग्राम करने जा रही हैं। 1993 में 21 जुलाई को पुलिस फायरिंग में 13 यूथ वर्कर्स की जान गई थी। 21 जुलाई को ममता बनर्जी एक वर्चुअल रैली करेंगी। इसकी स्ट्रीमिंग दिल्ली, उत्तर प्रदेश, असम, त्रिपुरा और दूसरी जगहों पर भी की जाएगी। पिछले साल इस दिन ममता ने अपने दफ्तर से पार्टी वर्कर्स को संबोधित किया था।

तृणमूल के राज्यसभा सदस्य ने टेलीग्राफ से कहा कि ममता नेशनल पॉलिटिक्स को लेकर अपनी योजना और नजरिया 48 घंटे के भीतर सबके सामने रखेंगी। 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ये साफ हो गया है कि देश में ममता ही अकेली नेता हैं, जो नरेंद्र मोदी और अमित शाह को रोक सकती हैं। तृणमूल के एक सूत्र ने कहा कि दीदी की राजनीतिक योजना के बहुत फायदे हैं। गुजरात जैसे राज्यों में विपक्ष की जगह खाली है और दीदी उसे हासिल करना चाहती हैं।

'2024 में दिल्ली में ममता सरकार'

पार्टी के नेता मदन मित्रा ने बताया कि टीएमसी 21 जुलाई को वर्चुअल कार्यक्रमों के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने जा रही है। इसके लिए त्रिपुरा, असम, ओडिशा, बिहार, पंजाब, यूपी और दिल्ली में बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 2024 में दिल्ली में ममता सरकार होगी। 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा फैक्टर उत्तर प्रदेश है। यहां 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा हारने जा रही है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, मंगलवार
20 जुलाई, 2021

बुलढाणा हलचल

मच्छरों की भरमार से शहरवासी हो रहे परेशान, बुलढाणा न.पा से फागिंग मशीन किटनाशक छिड़काव की मांग

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। शहरवासी कोरोना के संक्रमण से तो जूझ ही रहे हैं वहीं बढ़ती मच्छरों की भरमार के कारण भी परेशान हो रहे हैं। इन दिनों बारिश के मौसम के कारण शहरभर में मच्छरों की संख्या बढ़ गई है। अस्पताल में कोरोना के साथ-साथ डेंगु मलेरिया से पीडित मरीज भी पहुंच रहे हैं। नगर पालिका मलेरिया विभाग का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। नगर पालिका भी शहर में फॉगिंग मशीन नहीं घुमा रहा है जिससे शहर

के रहवासी परेशान नजर आ रहे हैं। नालियों की साफ-सफाई भी नियमित नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। नगर पालिका अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है । जिससे शहर में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। मलेरिया बुखार से पीडित मरीज जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में आ रहे हैं। नगर निगम को जनहित में शहरवासियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रत्येक वार्ड स्तर पर फॉगिंग मशीन से धुआं करवाया जाए वहीं नालियों के आसपास कीटनाशक का छिड़काव कराया जाए।

राजस्थान हलचल

मानव सेवा समिति द्वारा श्री वाल्मीकि मंदिर में पौधे लगाने की सेवा की गई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। पर्यावरण को बेहतर बनाने के मकसद से मानव सेवा समिति द्वारा चलाई गई मुहिम में आज एक कड़ी और जुड़ गई, जब संस्था द्वारा स्थानीय श्री वाल्मीकि मंदिर में पौधे लगाने की सेवा निभाई गई। जानकारी देते हुए पर्यावरण कमेटी के ज्वाइंट सेक्रेटरी दविंदर सिंह रावत द्वारा बताया गया कि संत नगर निवासी श्री बंटी कुमार द्वारा करीब एक हफ्ता पहले मानव सेवा समिति से संपर्क किया गया था और श्री वाल्मीकि मंदिर, संत नगर के बरामदे में कच्ची जगह पर पौधे लगाने का विचार पेश किया गया था। उनके इस विचार का स्वागत करते हुए मानव सेवा समिति द्वारा आज मंदिर के प्रांगण में पीपल, नीम, सुहांजना, शहतूत, शीशम, केसिया, तुलसी के पौधे और एक गिलोय वेल रोपित की गई है। इस सेवा में स्थानीय संत नगर के निवासियों के अलावा संस्था की तरफ से गुरप्रीत सिंह कैंथ, दविंदर सिंह रावत, विजय तुंगरिया, वासुदेव बघेल, टिंकू मोरवाल और संजय मानव शामिल रहे। संस्था द्वारा लगाए गए पौधों के संभाल की जिम्मेवारी मंदिर में रहने वाले सेवादारों द्वारा ली गई है और आश्वासन दिया गया है कि वह इन पौधों की नियमित देखभाल करेंगे। सेवा में शामिल रहे सभी सेवादारों के सुकून भरे जीवन की कामना की जाती है और परमात्मा से विनती की जाती है की इनके द्वारा लगाए गए पौधे जल्द ही बड़े पेड़ बन जाए और सब लोगों को लाभान्वित करें।

मेवाड़ मुस्लिम शाह समाज की बैठक देवगढ़ में 24 को, समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं समाज सुधार को लेकर होगी चर्चा

संवाददाता/ सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द/देवगढ़। मेवाड़ मुस्लिम शाह समाज की एक अहम बैठक 24 जुलाई को देवगढ़ हीर बंगला दरगाह पर मेवाड़ शाह समाज के सदर हाजी मुबारिक शाह कुरज की अध्यक्षता में आयोजित होगी। मेवाड़ शाह समाज के मीडिया प्रभारी आशिक शाह देवगढ़ ने बताया कि 24 जुलाई को आयोजित बैठक में मेवाड़ शाह समाज के सभी पदाधिकारी, सभी चोखला के अध्यक्ष, पूर्व पदाधिकारी सहित समाज के अन्य लोग शिरकत करेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा से पिछड़ रही समाज मे शिक्षा को बढ़ावा देने, शिक्षा से वंचित लोगो को शिक्षा से जोड़ने एवं विशेष रूप से बालिका शिक्षा पर जोर दिया जाएगा साथ ही सामाजिक कुरूतियों को मिटाकर समाज सुधार के नए आयाम स्थापित करने को लेकर भी चर्चा की जाएगी। बैठक की तैयारियों को लेकर समाज के नोजवान एवं सदस्य जुटे हुए है।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर में नीट में ओबीसी आरक्षण खत्म करने के खिलाफ निकाला प्रतिरोध मार्च: आइसा

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। नीट में ओबीसी आरक्षण खत्म करने के खिलाफ अखिल भारतीय छात्र-युवा विरोध दिवस के तहत आइसा जिला कमेटी के बैनर तले आइसा के दर्जनों कार्यकर्ता अपने हाथों में मांगों से संबंधित कार्डबोर्ड लिए लेनिन आश्रम मालगोदाम चौक से जुलूस निकाल कर विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः मालगोदाम चौक पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज तथा संचालन जिला सह-सचिव प्रीति कुमारी ने की। आइसा जिला सचिव सुनील कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र के भाजपा सरकार नीट में ओबीसी आरक्षण को खत्म कर केवल

सामाजिक न्याय की हत्या नहीं की है बल्कि शैक्षणिक एवं सरकारी संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म करने की बुनियाद को मजबूत कर रही हैं। सरकार के इस फैसले से ओबीसी कैटेगरी से आने वाले 11000 छात्र-छात्रों को नीट में सीटों से वंचित कर दिया गया। केंद्र सरकार लगातार संविधान, आरक्षण एवं समानता पर हमला कर रही है। इस फैसलों से सरकार ओबीसी केटेगरी को शिक्षा से बाहर करने की साजिश रच रही हैं। आइसा मांग करती है कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करें तथा नीट के केंद्रीय कोटे में राज्य की सीटों में 27% ओबीसी आरक्षण लागू करें। आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज ने कहां की जब तक नीट में आरक्षण को पुनः लागू नही किया जाता है तो आइसा छात्र-युवाओं को गोल बंद कर चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। वही प्रतिरोध मार्च में आइसा जिला उपाध्यक्ष मनीषा कुमारी रोशन कुमार जिला सचिव जितेंद्र कुमार, कार्यालय सचिव राजू झा, अजय कुमार, मनीष कुमार, अभिषेक कुमार, सौरभ कुमार, राजू कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

सीतापुर हलचल

बीजेपी पर बरसे राजभर, बोले यूपी में चुनाव पास आ गया, बहुत जल्दी ईडी सीबीआई भी आएगी

संवाददाता/अरमान उलहक

सीतापुर। अक्सर अपने बयानों से चर्चा में बने रहने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एक बार फिर से सुर्खियां बटोरने वाला बयान दिया है। रविवार को सीतापुर में ओमप्रकाश राजभर धनगर समाज की बैठक में पहुंचे। जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि यूपी में चुनाव आ गए हैं तो बहुत जल्द सीबीआई और ईडी भी आ जाएगा। योगी सरकार के मंत्री रहे राजभर ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक चीर हरण हुआ था महाभारत में तो कौरवों का नाश हो गया था। बीजेपी सरकार में तीन- तीन चीर हरण हुआ है। लखीमपुर खीरी के साड़ी कांड को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि महिला सपा कार्यकर्ता के साथ चीर हरण हुआ। पूरे प्रदेश में लोकतंत्र का चीर हरण हुआ। ओमप्रकाश राजभरने बीजेपी पार्टी को झूठ की प्रयोगशाला बताया। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जिंदा थे तब भारतीय जनता पार्टी थी अब बीजेपी भारतीय झूठ पार्टी है। राजभर ने निशाना साधते हुए कहा कि अब बीजेपी पर गुजरातियों का कब्जा है। जनसंख्या नियंत्रण पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कानून बनाने से जनसंख्या नियंत्रण नहीं होगी बल्कि महिलाओं और युवाओं को शिक्षित करने से जनसंख्या नियंत्रण होगी।

रामपुर हलचल

कोतवाली में सोमवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। बकरा ईद व सावन माह त्योहार को लेकर कोतवाली में सोमवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया बैठक में कोतवाली प्रभारी प्रवेज कुमार चौहान,उपजिलाधिकारी निरंकार सिंह, तहसीलदार सहित ननंदउलैमाओं एवं राजनीतिज्ञयों ने भाग लिया। बकरा ईद व सावन माह के त्यौहार पर लोगों को उपजिलाधिकारी निरंकार सिंह ने मिलजुलकर शांतिपूर्वक ढंग से दोनों त्योहार मनाने की अपील की गई त्योहार पर बिजली पानी सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से नियमित रखते हुए निर्देश दिये गये जिससे नगर के अन्दर किसी भी प्रकार की गन्दगी उत्पन्न न हो सके कोतवाल प्रवेज कुमार चौहान ने दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि असमाजिक तत्वों पर निगाह रखने के निर्देश पुलिस विभाग को दिये गये हैं सम्पूर्ण क्षेत्र के अन्दर कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती हैं तब तुरन्त अवगत कराया जाय जिसके चलते होने वाली समस्या का शीघ्र ही समाधान

किया जा सके सरकार के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत ही मंदिरों पर जलाभिषक व पूजा अर्चना की जायेगी तथा बकरा ईद की नमाज मस्जिद में ही अदा की जायेगी मौलाना जलीस ने कहा कि कुर्बानी के दौरान मीट का टुकड़ा इधर उधर न डाले साफ सफाई का भरपूर तरीके से ध्यान रखा जाय उधर मौलाना रियाज साहब ने कहा कि जिल हिज्जा का महीना बा बरकत वाला महीना है नेक आमाल के साथ साथ बहुत बड़ा सबाब है जिल हिज्जा की इबादत अल्लाह तआला को ज्यादा की पसन्द है हर रात की इबादत शबे कंद्र के बराबर है खासतौर पर नोंवी जिल हिज्जा पर योमे अरफा का रोजा.बहुत फजीलत रखता है यौमे अशफा का रोजागुजरे हुए और आने वाले साल के गुनाहों के लिए कुफ्फारा है जिल हिज्जा की नौ तारीख की फर्ज की नमाज से लेकर तेरह जिल हिज्जा की असर की नमाज तक हर फर्ज नमाज के बाद मर्द और औरत सब पर तकवीरे तशरीफ पढ़ना वाजिब है जो व्यक्ति अपनी हैसियत के अनुसार कुर्बानी न करें उसकी अहादीस में सख्त व ईद हैं।

मधुबनी हलचल

महंगाई के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल के मधुबनी समाहरनालय के पास प्रदर्शन किया

मधुबनी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आह्वान पर डीजल पेट्रोल गैस और बेरोजगारी भूखमरी के बढ़ते दामों के विरोध में जिला मुख्यालय मधुबनी में प्रदर्शन और प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ जम कर नारे बाजी किया गया युवा राजद मधुबनी के सभी सम्मानित साथी स्टेशन रोड और कलेक्ट्रेट के पास मैं अपना उपस्थिति दर्ज कराई स्टेशन रोड से लेकर थाना चौक तक प्रदर्शन किया गया और पुतला दहन किया गया मौका पर राष्ट्रीय जनता दल के मधुबनी विधायक समीर कुमार महासेठ, बिसफि के साबिक विधायक डा फैयाज अहमद, राजकुमार यादव रामकुमार यादव अरुण चौधरी अविनाश यादव सुधीर यादव इंद्र भूषण यादव रीना देवी अमरिंदर चौरसिया मनीष सिंह वारिस अंसारी वगैरा मौजूद थे।

पुदीना स्वाद ही नहीं, सेहत के लिए भी है फायदेमंद

पुदीना खाने में स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई हेल्थ संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मदद करते हैं। गर्मियों के मौसम में हर घर में इसका इस्तेमाल खट्टी चीजें और चाय बनाने में किया जाता है। खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ यह शरीर में दवाई की तरह काम करता है। आज हम इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप कई समस्याओं से छुटकारा पर सकते हैं।

1. पेट दर्द से पाए राहत

पुदीना पेट की समस्याओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। जब कभी किसी का पेट अच्छी तरह से साफ न हुआ हो और पेट में दर्द हो रहा हो तो पुदीना एक दवाई की तरह काम करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर छान कर पानी को पीएं। इससे आपकी पाचन शक्ति भी बढ़ेगी और पेट दर्द से भी राहत मिलेगी।

2. गर्मी से दिलाए निजात

पुदीने का इस्तेमाल खास कर गर्मियों में गन्ने के रस में, आम का पन्ना बनाने में, भोजन में किया जाता है क्योंकि यह शरीर में गर्मी से राहत दिलाता है। इससे नमी बनी रहती है और यह घबराहट, उल्टी, हैजा जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

3. मुंह की बदबू करें दूर

कई बार ब्रश करने के बाद भी मुंह में बदबू आती रहती है आप इसे हटाने के लिए पुदीने के पत्तियों को चबा सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने को सूखा कर इसका चूर्ण बना कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप इससे मंजन की तरह दांत साफ कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके मसूड़े भी मजबूत होगें।

4. हड्डियों को बनाएं मजबूत

पुदीना हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें मैग्निशियम तत्व पाया जाता है जो हड्डियों के लिए जरूरी होता है।

5. कोलेस्ट्रोल लेवल ठीक रखें

पुदीने में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं जो बढ़े हुए कोलेस्ट्रोल लेवल को ठीक करने में मदद करता है।

6. मोटापा घटाने में करें मदद

जो लोग मोटापे से परेशान है वह वजन घटाने के लिए पुदीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर में जमा वसा को कम करते हैं और मोटापे से छुटकारा दिलाते हैं।

7. घाव से दिलाएं राहत

पुदीने में एंटी- बैक्टिरियल पाया जाता है जो घाव या चोट को ठीक करने में मदद करता है। जब आपके कभी घाव या चोट लग गई है तो आप पुदीने की पत्तियां मसल कर इसका पेस्ट बना कर घाव वाली जगह पर लगाएं।

8. उल्टी या हिचकी रोकें

अगर आपको कभी उल्टियां लग जाएं तो पुदीने का रस 1-1 चम्मच दिन में दो बार पीएं। हिचकी रोकने के लिए इसकी पत्तियां बहुत असरदार उपाय है।

कहीं आप तो नहीं कर रहें बालों की कंडीशनिंग करते समय यह गलतियां

बालों को लेकर लड़कियां हर समय परेशान रहती हैं कि कहीं उनके झड़ते बाल उनकी पर्सनेलिटी को खराब कर न कर दें। इसी लिए वे अच्छी से अच्छी क्वालिटी का शैंपू और कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि कंडीशनर बालों को मुलायम, शाइनी बनाने में मदद करता है लेकिन बहुत से लोग इसे लगाने के सही तरीके के बारे में जानते भी नहीं हैं। कंडीशनिंग करते समय जाने-अनजाने की गई गलतियां बालों को खराब भी कर सकती हैं। आइए जानें कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये कंडीशनर को लेकर ये गलतिया।

बालों की जड़ों से कंडीशनिंग करना

कुछ लोग शैंपू करने के बाद बालों की जड़ों से ही कंडीशनिंग भी करने लगते हैं। जिससे कई बार बाल झड़ने लगते हैं। इस बात को जान लें कि जड़ों को कंडीशनर करने की कोई जरूरत नहीं होती। सिर्फ बालों पर ही इसे लगाएं।

शैंपू के बाद कंडीशनर न करना

कंडीशनर बालों को मुलायम बनाने के साथ-साथ बाहरी धूल-मिट्टी से भी बचाव रखता है। बालों पर शैंपू कर रहे हैं तो कंडीशनर न लगाने के गलती न करें। इससे बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

जरूरत से ज्यादा न करें इस्तेमाल

हर चीज का इस्तेमाल सही मात्रा में करना बहुत जरूरी है। अगर ज्यादा मात्रा में कंडीशनर लगाया जाए तो इससे बाल शाइनी दिखने की बजाए तैलीय लगने लगते हैं और आप भी फ्रेश फील नहीं करते।

कंडीशनर लगाने में जल्दी करना

कंडीशनर लगाने में जल्दबाजी न करें। सही रिजल्ट पाने के लिए इसे दिए गए निर्देश अनुसार बालों पर लगा रहने दें।

दांत की सर्जरी के बाद न करें इन 2 चीजों का सेवन, पड़ सकता है भारी

कोई भी व्यक्ति जब डेंटल सर्जरी से फिर से ठीक हो रहा होता है, तब अच्छा आहार और पोषण का अत्यंत महत्व होता है। अगर व्यक्ति को पता है, की उसे क्या खाना चाहिए और वह उचित आहार लेता है, तो यह जल्दी ठीक होने की गारंटी देता है और अत्यधिक शुष्क गर्तिका और खून के बहने की संभावना को कम कर देता है। मौखिक सर्जरी के उपरांत का समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है और दंत विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण के बिना प्रबंधित नही किया जाना चाहिए। यदि मरीज को कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का निर्धारण किया गया है, तो उसे अपने आहार से डेयरी उत्पादों को बाहर करना पड़ सकता है। वास्तव में, सर्जरी के बाद कुछ दिनों के लिए रोगी को चाय या पानी या नरम खाद्य पदार्थों जैसे पेय पदार्थों को लेना चाहिए।

ये बातें पता होनी चाहिए

डेंटल सर्जरी की अवधि में, एक व्यक्ति को पता होना चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और अपने आहार में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा शामिल करनी चाहिए। तरल पदार्थ भी आहार का एक प्रमुख हिस्सा होना चाहिए। अच्छे तरल आहार पदार्थों में पौष्टिक फल और सब्जियों के रस, मिल्क शेक, ऊर्जा पेय, त्वरित नाश्ता पेय और फल स्मूदी शामिल हैं। मौखिक सर्जरी के तुरंत बाद, ओटमिल, नरम अंडे, मुलायम फल, अच्छी तरह से पका चावल और दलिया, जैसे पदार्थों को रोगी के आहार में शामिल किया जाना चाहिए। कार्बोनेटेड या वातित पेय, गर्म तरल पदार्थ और मसालेदार भोजन लेने से बचें।

इन खाद्य पदार्थों से परहेज

रोगी उन खाद्य पदार्थों को टालना चाहिए जिससे सर्जरी स्थान पर जलन नहीं हो। कुछ भी जिसे चूसने की जरूरत होती है, उससे सख्ती से बचना चाहिए, क्योंकि इससे मुँह में खून के थक्का बन सकते हैं, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता हैं। हालांकि मांस और डेयरी उत्पाद प्रोटीन और ऊर्जा का एक बहुत अच्छा स्रोत होते हैं, उनका परहेज किया जाना चाहिए। इसके बजाय, आप मैश किए हुए आलू, नरम पनीर और टोफू खा सकते हैं।

क्या खा सकते हैं

डेंटल सर्जरी के बाद कैन्ड मछली, गरम पानी में पकी मछली, ह्युमस, मांस लोफ्स, मसला हुआ चितकबरा सेम और कटा हुआ मांस जैसे खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल कर सकते है क्योंकि उनको ज्यादा चबाने की आवश्यकता नहीं होती है। मूंगफली का मक्खन, बीज, और अखरोट के तेल की भी सिफारिश की जाती हैं। पुडिंग, दही, कस्टर्ड, वनस्पति शोरबा, आइसक्रीम, ऐप्लसॉस, क्रीमी सूप, और मैश किए हुए आलू सर्जरी स्थान के लिए बेहतर होते हैं।

डेंटल सर्जरी

डेंटल सर्जरी के बाद क्या खाना चाहिए यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, जो हर रोगी को संबोधित किया जाना चाहिए। चिकित्सा और फमेर्सी के क्षेत्र में नए-नए रिसर्च ने सर्जरी की पद्धतियां और प्रक्रियाओं को रोगियों के लिए कम पीड़ादायक और अधिक सहनशील बना दिया हैं। क्योंकि जब रोगी घर लौटता है उस पर दवा का प्रभाव होता है, इसलिए उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह निर्धारित दर्द निवारक दवा नियमित लेना और डॉक्टर के अनुमोदन के बिना कुछ नहीं खाना चाहिए।

दांतों की देखभाल कैसे करें

ब्रश करने के लिए कोई मानक समय नहीं है। लेकिन ऐसी सलाह दी जाती है कि कम से कम दो मिनट तक ब्रश करें जिससे मुंह के अंदर की सतह से प्लेक के बैक्टीरिया निकल जायें। इससे दांतों की क्षति से भी बचाव हो सकेगा। अगर 6 महीनों तक ब्रश करने के बाद भी आपका ब्रश खराब नहीं हुआ है, तब भी नया ब्रश खरीदने में देरी ना करें। टूथब्रश अलग-अलग आकार, लम्बाई और गुणवत्ता के आते हैं। लेकिन डेंटिस्ट्स का ऐसा मानना है कि सही टूथब्रश की लम्बाई 25.5 से 31.9 मिलीमीटर होनी चाहिए और चौडाई 7.8 से 9.5 मिलीमीटर होनी चाहिए। अगर आपके दांतों पर काले-भूरे धब्बे नजर रहे हैं, खाना दांतों में फंसने लगा है, ठंडा-गरम लग रहा है या मसूड़ों से पस आ रहा है, तो डेंटिस्ट.से मिलने में देरी ना करें। निश्चित समयांतराल पर दंत चिकित्सक से मिलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' का बनेगा सीक्वल

सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' को 6 साल पूरे हो चुके हैं। साल 2015 में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से ढेर सारा प्यार मिला था। फिल्म में भाईजान और मुन्नी की केमेस्ट्री लोगों को काफी पसंद आई थी। फिल्म में सलमान खान, करीना कपूर, हषार्ली मल्होत्रा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। वही अब इस फिल्म के सीक्वल को लेकर खबर सामने आई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान लेखक केवी विजेंयद्र प्रासद ने बजरंगी भाईजान के सीक्वल की ओर इशारा दिया है। उन्होंने कहा कि वह 'बजरंगी भाईजान 2' की प्लानिंग कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी पर काम चल रहा है। खबरों के अनुसार केवी विजेंयद्र प्रसाद ने कहा कि जब मैंने यह आइडिया सलमान के साथ शेयर किया तो वह काफी एक्साइटेड दिखें। फिलहाल मैं इस कहानी को आगे ले जाने के लिए शानदार शुरूआत करना चाहता हूं। कुछ दिन पहले जब मैं सलमान खान से कैजुएली मिला था। तब मैंने उन्हें 'बजरंगी भाईजान 2' सीक्वल के बारे में बताया था।

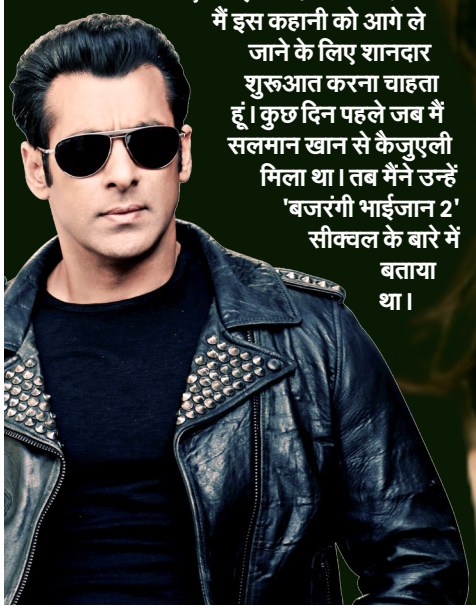

किच्चा सुदीप की पैन इंडिया फिल्म 'विक्रांत रोणा' में हुई जैकलीन फर्नांडिस की एंट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। वही अब जैकलीन की लिस्ट में एक और फिल्म शामिल हो गई है। वह साउथ स्टार किच्चा सुदीप के साथ फिल्म 'विक्रांत रोणा' में नजर आने वाली हैं। ये किच्चा सुदीप की पहली पैन इंडिया रिलीज फिल्म है। किच्चा सुदीप ने जैकलीन फर्नांडिस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर इस बात का खुलासा किया है। जैकलीन इन तस्वीरों में किच्चा के साथ बेहद मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रही हैं। विक्रांत रोणा एक एडवेंचर्स फिल्म है। जिसमें किच्चा सुदीप नए अवतार में दिखने वाले हैं। इस फिल्म को निर्माता 3डी वर्जन में बनाने वाले हैं। बीते दिनों ही फिल्म का लोगो निर्माताओं ने दुबई के बुर्ज खलीफा पर जारी किया था। फिल्म के निर्देशक अनूप भंडारी हैं। खबरों के अनुसार इस फिल्म को लेकर जैकलीन ने कहा, विक्रांत रोणा एक महत्वाकांक्षी फिल्म है जो एक ऐसी कहानी को बताने का इरादा रखती है जो दुनिया भर से अलग दिखे। मुझे बेहद खुशी है कि इस एक्शन एडवेंचर फिल्म के लिए मुझे साइन किया गया है। जैकलीन फर्नांडिस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में रैपर बादशाह के गाने पानी पानी में नजर आई थीं। वह जल्द ही फिल्म भूत पुलिस में काम करती नजर आएंगी। इसके अलावा वह रामसेतु, बच्चन पांडे, सर्कस और किक 2 में भी नजर आने वाली हैं।

होठों की वजह से ट्रोल हुईं आयशा टाकिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आयशा टाकिया ने साल 2004 में फिल्म 'टारजन द वंडर कार' से डेब्यू किया था। आयशा भले ही लंबे वक्त से पर्दे से दूर हो लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। आयशा टाकिया इन दिनों अपनी फेशियल सर्जरी की वजह से सुर्खियों में हैं। उन्हें कई बार अपनी फेशियल सर्जरी की वजह से आलोचना झेलनी पड़ी है। अब एक बार फिर आयशा को इस वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में आयशा टाकिया ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह शीशे के सामने अपनी सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में आयशा के होंठ काफी मोटे नजर आ रहे हैं और उनके चेहरा काफी अजीब लग रहा है। जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था तब उनका चेहरा ऐसा नहीं था। कई यूजर्स आयशा का यह वीडियो देखकर कह रहे हैं कि उन्होंने अपना चेहरा बिगाड़ लिया है। एक यूजर ने लिखा, क्या हो गया है तुम्हें मैडम, क्या थे और क्या हो गए। एक अन्य ने लिखा, इसने तो अपना चेहरा ही बिगाड़ लिया है। वही एक यूजर ने लिखा, अरे यार क्या किया लिप्स का। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब आयशा टाकिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले भी अपने लुक को लेकर आयशा को जमकर ट्रोल किया जा चुका है।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in